



समीक्षा

परमेश्वर शिव इस सृष्टि के आदिदेव माने गये हैं। स्वयंभू शिव के द्वारा प्रोक्त वचन शैवागम कहलाते हैं। शैवागमों के उत्तरभाग में वर्णित सिद्धान्त वीरशैवमत कहलाता है। श्रीसिद्धान्त-शिखामणि सनातन वीर शैव धर्म का धर्मग्रन्थ है। अट्ठाईस शैवागमों के आधार पर श्रीशिवयोगी शिवाचार्य ने इसकी रचना की है। शैवागमों तथा लिङ्गपुराणादि में वर्णित षट्स्थल सिद्धान्त का १०१ स्थलों में विस्तार से विवेचन इस ग्रन्थ में किया गया है। एकोत्तरशतस्थलों का यह एक अपूर्व ग्रन्थ है। यह ग्रन्थ केवल धार्मिक ग्रन्थ ही नहीं है अपितु एक दार्शनिक महाकाव्य भी है। इसमें सृष्टि के प्रत्येक तत्त्वों का समुचित विवेचन किया गया है। इसकी महाकाव्यत्व की समीक्षा भी हो चुकी है। इस ग्रन्थ के महत्त्व को ध्यान में रखते हुये ही काशी जगद्गुरु डॉ. टी. गणेशन (तमिल), कर्णाटक गुलबर्ग के डॉ. चन्द्रशेखर कपाड़े (मराठी गद्य), वाराणसी के डॉ. राधेश्याम चतुर्वेदी (हिन्दी), बेन्गलुरु के डॉ. एम. शिवकुमार स्वामी (अंग्रेजी), मैसूर के विद्वान् जी॰ राजशेखरैय्या (संस्कृत) वाराणसी के डॉ. प्रभुनाथ द्विवेदी (अवधी पद्य), वाराणसी के डॉ. हरिप्रसाद अधिकारी (नेपाली), अहमदाबाद की श्रीमती करुणा त्रिवेदी (गुजराती), यूक्रेन देश की कुमारी यूलिया कौशाद गौरी (रसियन भाषा) ने अनुवाद कार्य किया है। इसी उपक्रम में महास्वामीजी ने मुझे भोजपुरी भाषा में अनुवाद करने का आशीर्वाद प्रदान किया है। बिहार और उत्तरप्रदेश में बोली जानेवाली प्रमुख भाषाओं में भोजपुरी भी है (काशी में भी भोजपुरी बोली जाती है)। संस्कृत भाषा से भोजपुरी अनुवाद भी एक विनूतन कार्य है। इस प्रकार के अनुवाद से भारतवर्ष की सांस्कृतिक एकता भी प्रदर्शित होगी। सम्प्रति वीरशैव मत दक्षिण भारत में प्रमुख रूप से प्रचलित है अत: उत्तर भारत के लोग अपनी बोले जानेवाली भाषा में इस महत्वपूर्ण ग्रन्थ का अनुवाद होने से इस सिद्धान्त से परिचित होंगे। श्रीसिद्धान्त शिखामणि का यह भोजपुरी अनुवाद लोकोपयोगी हो; ऐसी भगवान् विश्वनाथ से प्रार्थना है।

प्रवीण कुमार द्विवेदी
शोध छात्र, विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र
जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-६७

शैव भारती शोध प्रतिष्ठान
डी.३५/७७, जंगमवाडीमठ, वाराणसी - २२१००१

ISBN : 978-93-82639-15-2
Price : Rs. 300.00


श्रीसिद्धान्तशिखामणिः
(भोजपुरी भावानुवादेनसह)


श्रीशिवयोगिशिवाचार्यविरचितः

श्रीसिद्धान्तशिखामणिः

(भोजपुरी भावानुवादेनसह)



शैव भारती शोध प्रतिष्ठान
डी.३५/७७, जंगमवाडीमठ, वाराणसी - २२१००१

ശ്രീ ശിവയോഗി ശിവാചാര്യർ രചിച്ച

ശ്രീസിദ്ധാന്തശിഖാമണി

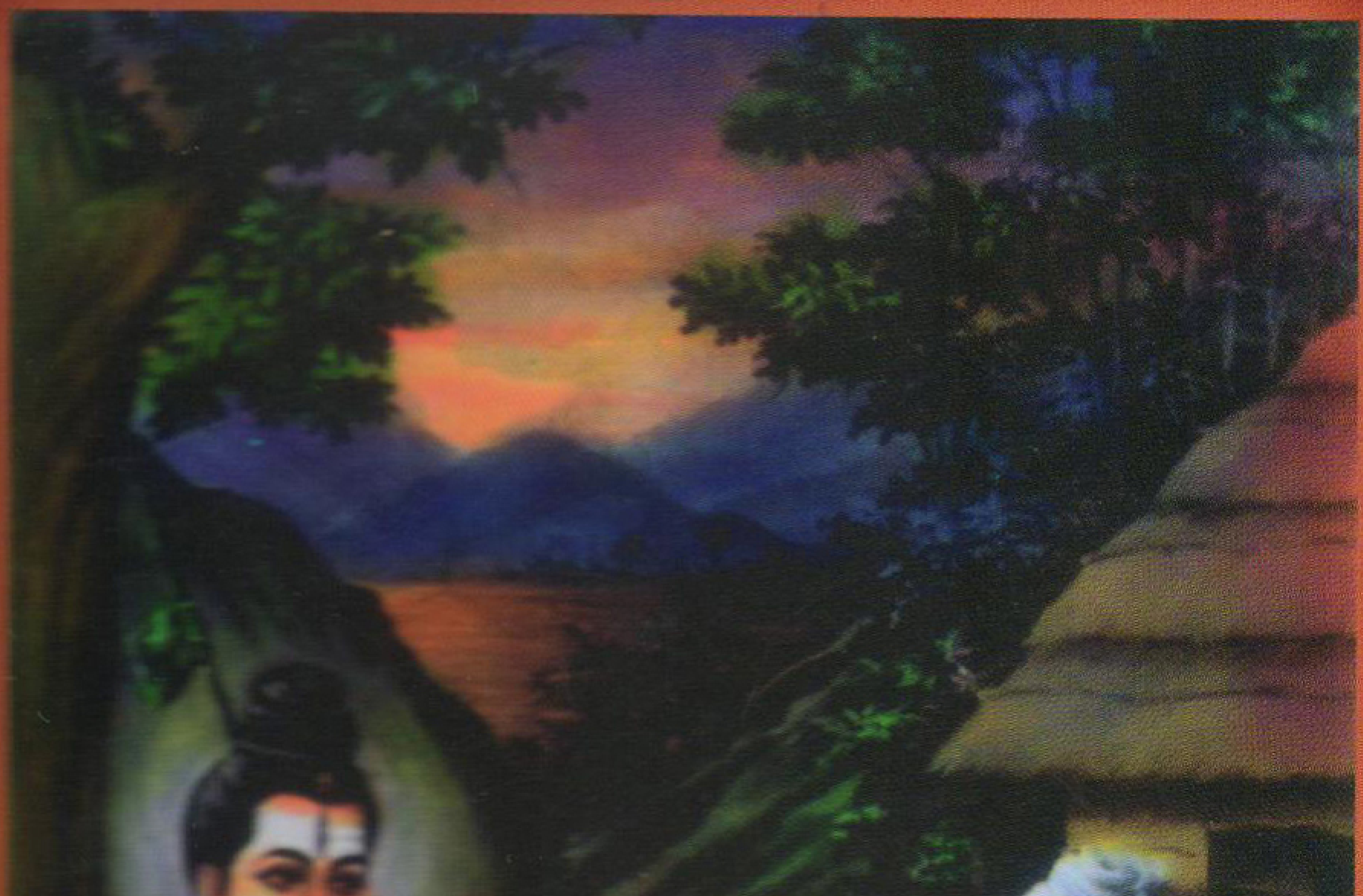


ശൈവഭാരതീ ശോധപ്രതിഷ്ഠാൻ

വാരാണാസി

श्रीसिद्धान्तशिखामणी

अभंगगाथा



शैवभारती शोधप्रतिष्ठान, वाराणसी

श्रीशिवयोगिशिवाचार्यविरचित:

श्रीसिद्धान्तशिखामणि:

(हिन्दी पारायण ग्रन्थ)

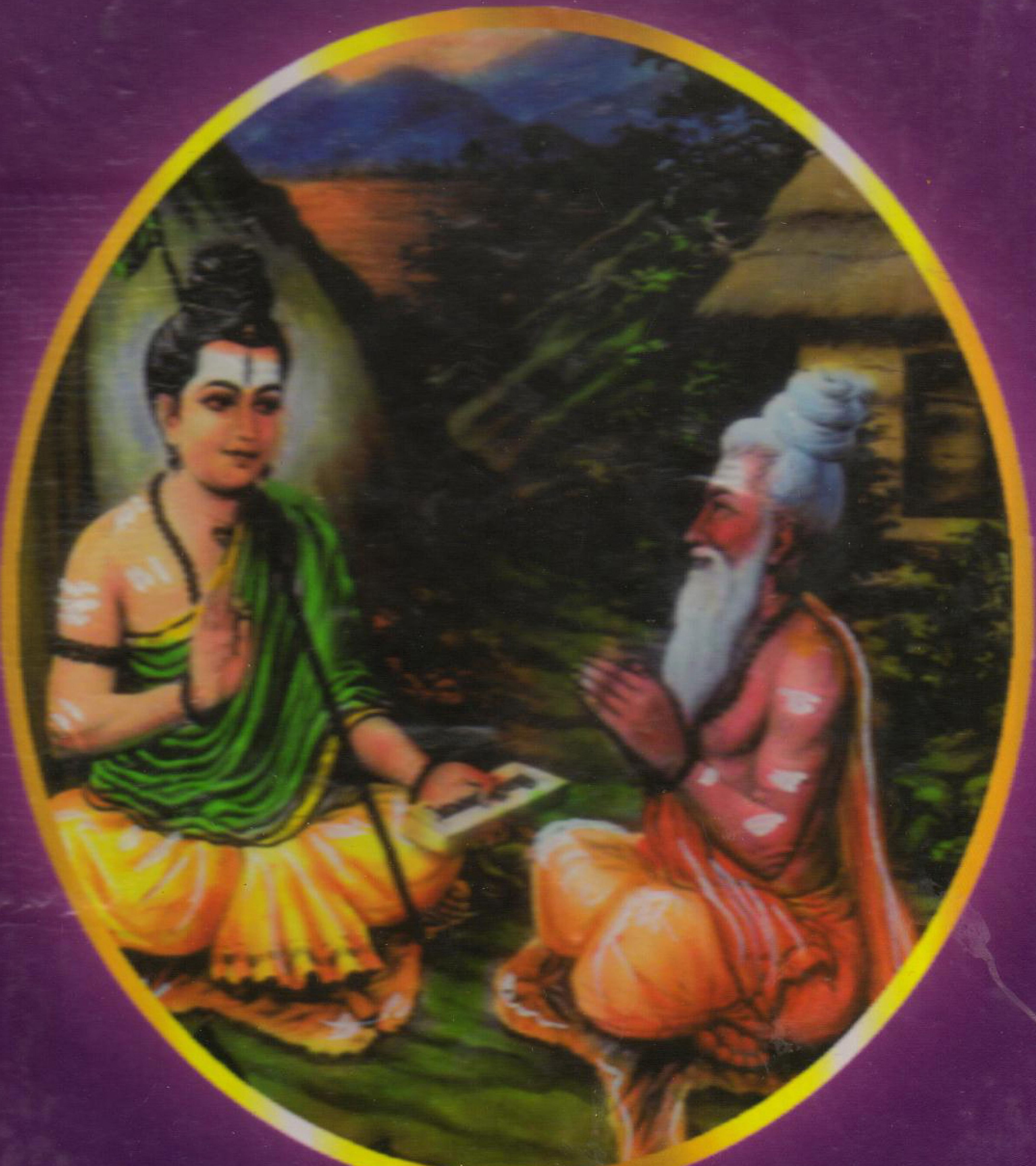


डॉ. राधेश्याम चतुर्वेदी

श्रीशिवयोगिशिवाचार्यविरचित:

श्रीसिद्धान्तशिखामणि:

(नेपाली भावानुवादेनसह)



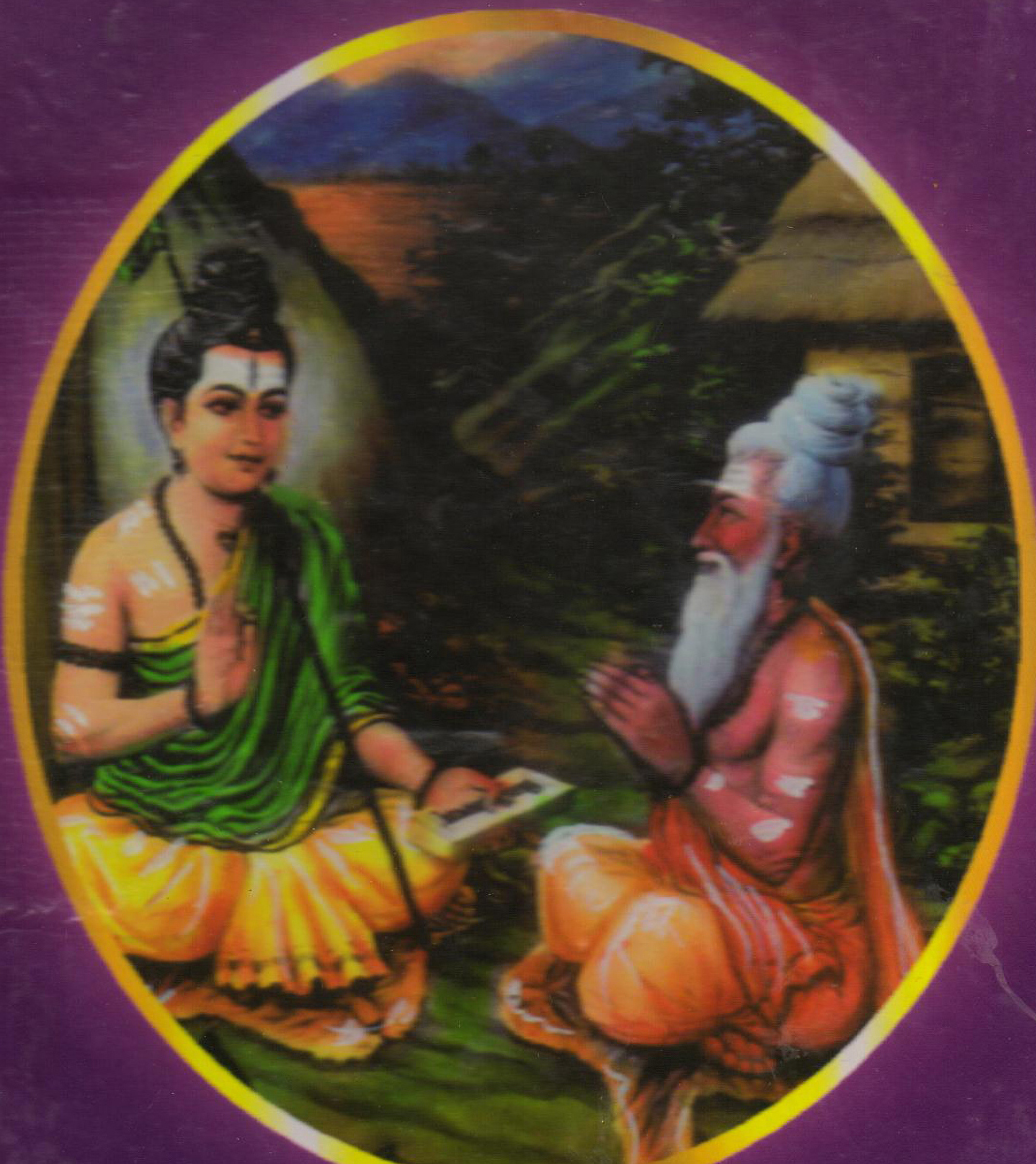
नेपालीव्याख्याकार:

आचार्य हरिप्रसाद अधिकारी

श्रीशिवयोगिशिवाचार्यविरचित:

श्रीसिद्धान्तशिखामणि:

(नेपाली भावानुवादेनसह)



नेपालीव्याख्याकार:

आचार्य हरिप्रसाद अधिकारी

ଶିବଯୋଗିଶିବାଚାର୍ଯ୍ୟବିରଚିତଃ

ଶ୍ରୀସିଦ୍ଧାନ୍ତଶିଖାମଣିଃ



ଉତ୍କଳାନୁବାଦ

ଡଃ. ପ୍ରମୋଦିନୀ ପଣ୍ଡା

ಶ್ರೀಶಿವಯೋಗಿಶಿವಾಚಾರ್ಯವಿರಚಿತಃ

ಶ್ರೀಸಿದ್ಧಾಂತಶಿಖಾಮಣಿಃ

ಪಾರಾಯಣಗ್ರಂಥಃ



ಶೈವಭಾರತೀಶೋಧ ಪ್ರತಿಷ್ಠಾನ, ವಾರಾಣಸಿ

ШРИ СИДДХАНТА ШИКХАМАНИ



श्री सिद्धान्तशिखामणिः

ЗАПИСАННАЯ ШРИ ШИВАЙОГИ ШИВАЧАРЬЕЙ

सिद्धान्तशिखामणि-समीक्षा

डा. चन्द्रशेखर शिवाचार्यः

शैवभारतीभवनम्
जङ्गमवाडीमठः, वाराणसी

श्रीसिद्धान्तशिखामणितत्त्वामृत

ओवीबद्ध मराठी पारायणग्रंथ

शैवभारती शोधप्रतिष्ठान

Śrī Śivayogi Śivācārya's

Śrī Siddhāntaśikhāmaṇi

with Śrī Maritoṇṭadārya's Tattvapradīpikā



Edited by

Dr. M. Sivakumara Swamy

Śrī Śivayogiśivācāryaviracitaḥ

ŚRĪSIDDHĀNTAŚIKHĀMAṆIḤ

PĀRĀYAṆA TEXT



M. Sivakumara Swamy

श्रीशिवयोगिशिवाचार्यविरचितः

श्रीसिद्धान्तशिखामणिः

गुजरातीव्याख्याकारः

डॉ. करुणा एस. त्रिवेदी

शिवयोगिशिवाचार्यविरचितः

श्रीसिद्धान्तशिखामणिः

शैवभारती शोध प्रतिष्ठान, जंगमवाड़ीमठ

वाराणसी

हिन्दीव्याख्याकारः

प्रो. डॉ० राधेश्याम चतुर्वेदी

శ్రీ సిద్ధాంత శిఖామణి

ప్రవచన ప్రభ

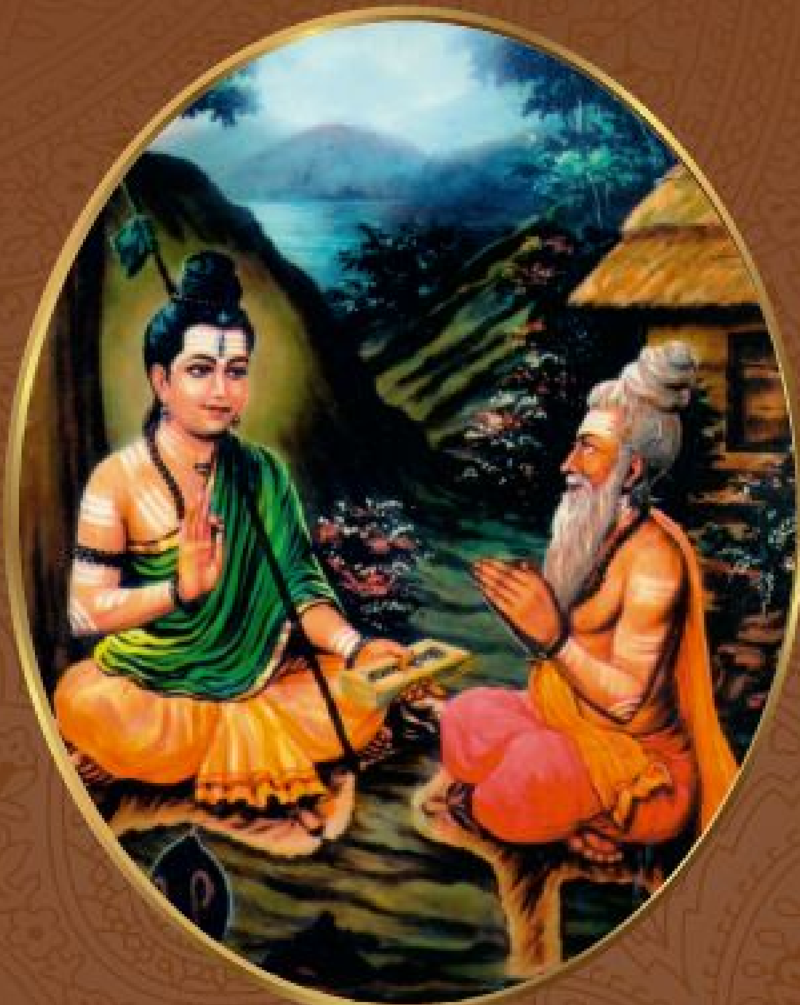


విద్యావాచస్పతి
శ్రీ 1008 కాశీ జగద్గురు
డా॥ చంద్రశేఖర శివాచార్య మహాస్వాములు



ஸ்ரீஸித்தாந்தசிகாமணி

தமிழ்ச் செய்யுள் வடிவம்



துறைமங்கலம் சிவப்பிரகாச சுவாமிகள் செய்தது

தமிழ் உரைநடை

ஆக்கியோன்

தி. கணேசன்

சைவசித்தாந்தம் மற்றும் சைவாகம முதுநிலை ஆராய்ச்சியாளர்

FRENCH INSTITUTE, PONDICHERRY

SAIVA BHARATI SHODHA PRATISHTHANAM, VARANASI

ವೀರಶೈವ

ಪಂಚಪೀಠ ಪರಂಪರೆ











ಶ್ರೀ ಕಾಶಿ ಜಗದ್ಗುರು ಡಾ. ಚಂದ್ರಶೇಖರ ಶಿವಾಚಾರ್ಯ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳು